

डॉल्फिन जनगणना

प्रिलमिंस के लिये:

इरावदी डॉल्फिन, चल्का झील, भीतरकनका व गहरिमाथा अभयारण्य (इनके अध्ययन के लिये मैप का उपयोग कीजिये)

मेन्स के लिये:

जलवायु परिवर्तन का जीवों पर प्रभाव, जीव संरक्षण व पर्यावरण प्रभाव आकलन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर-लेखन में इस प्रकार के बच्चों को संदर्भ अथवा उदाहरण (आवश्यकता) के तौर पर उपयोग किया जा सकता है।

चर्चा में क्यों?

19 जनवरी, 2020 को ओडिशा राज्य के वन विभाग द्वारा राज्य में भीतरकनका राष्ट्रीय उद्यान तथा उसमें स्थित गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य में एक द्वाितीय डॉल्फिन जनगणना का आयोजन किया गया जिसमें पछिली जनगणना के मुकाबले इस वर्ष डॉल्फिन की संख्या में कमी देखने को मली।

मुख्य बदि:

- 24 फरवरी, 2020 को प्रकाशित डॉल्फिन जनगणना रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में डॉल्फिन की कुल संख्या वर्ष 2020 में 233 दर्ज की गई, जबकि वर्ष 2019 यह संख्या 259 तथा वर्ष 2015 में 270 थी।
- वर्ष 2020 में हुई डॉल्फिन जनगणना में केवल 62 डॉल्फिन को ही गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य में देखा गया।
- वर्ष 2019 में गहरिमाथा में संपन्न डॉल्फिन जनगणना में जहाँ इनकी संख्या 126 आँकी गई थी, वही वर्ष 2015 की जनगणना में यह संख्या 307 थी।
- गहरिमाथा में हुई डॉल्फिन जनगणना में 60 [इरावदी डॉल्फिन](#) (Irrawaddy Dolphins) तथा 2 बोटल नोज़ डॉल्फिन (Bottle-nose Dolphins) ही गहरिमाथा में देखी गई हैं। जबकि वर्ष 2019 में हुई डॉल्फिन जनगणना में 14 इरावदी डॉल्फिन, 14 बोटल नोज़ डॉल्फिन तथा 98 [हंपबैक डॉल्फिन](#) (Humpback Dolphins) देखी गई।
- गहरिमाथा में प्रथम डॉल्फिन जनगणना वर्ष 2015 में संपन्न हुई जिसमें 58 इरावदी डॉल्फिन, 23 बोटल नोज़ डॉल्फिन, 123 सूसा चनिंसिस डॉल्फिन (Sousa Chinensis Dolphins), 50 सोसा प्लम्बेरा डॉल्फिन (Sousa plumbea dolphins), 15 पैनट्रोपिक स्पॉटेड डॉल्फिन (Pantropical Spotted Dolphins), 1 फिनलेस प्रपोईस डॉल्फिन (Finless Porpoise Dolphin) यानी वर्ष 2015 में डॉल्फिन की कुल संख्या 270 पाई गई थी।
- हालाँकि प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में कुल डॉल्फिन की संख्या में गरिावट के बावजूद चल्का झील में डॉल्फिन की संख्या में वृद्धि देखी गई है जो वर्ष 2019 के 130 की तुलना में वर्ष 2020 में बढ़कर 146 हो गई है।
- वर्ष 2020 की गहरिमाथा डॉल्फिन जनगणना इस क्रम की चौथी डॉल्फिन जनगणना है।
- सर्वप्रथम गहरिमाथा में डॉल्फिन जनगणना वर्ष 2015 में संपन्न कराई गई उसके बाद वर्ष 2018 और वर्ष 2019 की जनगणना संपन्न की गई।

डॉल्फिन की संख्या में गरिावट के कारण:

- जलवायु परिवर्तन, प्रतिकूल मौसम, अवैध शिकार आदि कुछ मुख्य कारण हैं जिनके चलते राज्य में डॉल्फिन की संख्या में भारी गरिावट दर्ज की गई है।
- इसके अलावा शिकार के दौरान जाल में फँसकर या फरि मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर से टकराकर भी इनकी मृत्यु हो जाती है जिसके चलते इनकी संख्या में कमी दर्ज की गई है।
- जलवायु परिवर्तन एवं अत्यधिक वर्षा के कारण जल की लवणता कम होने की वजह से इस वर्ष कई इरावदी डॉल्फिन ने गहरिमाथा से चल्का झील की तरफ तथा हंपबैक डॉल्फिन ने समुद्र की तरफ प्रवास किया है जिस कारण गहरिमाथा में इस वर्ष जनगणना के दौरान एक भी हंपबैक डॉल्फिन को नहीं देखा गया।
- गहरिमाथा में डॉल्फिन की संख्या में हुई कमी स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का सूचक नहीं है, यह गहरिमाथा में हुए पारिस्थितिकी बदलाव की तरफ इशारा करता है।

गहरिमाथा समुद्री अभयारण्य:

- गहरिमाथा ओडिशा के केंद्रपाड़ा ज़िले में भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान के भीतर स्थित है।
- यह ओडिशा का एकमात्र समुद्री अभयारण्य है।
- गहरिमाथा का समुद्री तट [ओलिवि रडिले कछुओं](#) (Olive Ridelys Turtuls) का वशिव में सबसे बड़ा प्रजनन स्थल है।

चलिका झील :

- यह ओडिशा राज्य के पूर्वी तट पर स्थित है जो पुरी (Puri), खुरदा (Khurda), गंजम (Ganjam) ज़िलों में वसितारति है।
- यह एशिया की सबसे बड़ी आंतरिक खारे पानी की लैगून झील है।
- वर्ष 1971 में इसे रामसर अभिसमय के तहत आर्द्रभूमिस्थल के रूप में शामिल किया गया है।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवासी पक्षियों के लिये सबसे बड़ा शीतकालीन मैदान है।
- चलिका झील के दक्षिण में स्थित सतपद (Satapada) इरावदी डॉल्फनि के लिये प्रसिद्ध है।
- वशिव में इरावदी डॉल्फनि की सर्वाधिक आबादी चलिका झील में ही देखी जाती है।

डॉल्फनि:

- डॉल्फनि को भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की अनुसूची 1 में शामिल किया गया है।
- यह लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार अभिसमय (Convention on International Trade in Endangered Species) के अनुबंध 1 तथा प्रवासी प्रजातियों पर अभिसमय (Convention on Migratory Species) के अनुबंध II में शामिल है।
- प्रकृतिसंरक्षण के लिये अंतरराष्ट्रीय संघ (International Union for the Conservation of Nature- IUCN) की रेड लिस्ट में डॉल्फनि को संकटग्रस्त जीवों की श्रेणी में शामिल किया गया है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/dolphin-census>

